फरवरी माह की साधनायें

श्री ललिता जयन्ती पर श्री ललिताम्बा सिद्धि

यह साधना सिद्ध करने से धन-धान्य की निरन्तर वृद्धि होती है, जीवन में किसी भी प्रकार का अभाव नहीं रहता, साथ ही शत्रु स्वतः ही समाप्त हो जाते हैं और साधक त्रिकालदर्शी बन जाता है। देवी ललिताम्बा की कृपा से उसका तीसरा नेत्र खुल जाता है और उसमें श्राप और वरदान देने की क्षमता आ जाती है।

उक्त साधना श्री ललिता जयन्ती पर जो कि दिनांक 01 फरवरी 2026 को सम्पन्न करे, साधना प्रक्रिया जनवरी की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 19 से 20 पर अंकित है।

माघी पूर्णिमा पर अमृत तत्व प्राप्ति साधना

जीवन में कर्म, भाग्य व लक्ष्मी के संगम से त्रि-शक्ति स्वरूप में अमृतमय बन सके तब ही जीवन की विष पूर्ण कुस्थितियां समाप्त हो सकेगी और इसी के फलस्वरूप अमृत रूपी देवत्व भाव की वृद्धि होगी, जिससे जीवन सुमंगलमय बन सकेगा।

उक्त दीक्षा माघी पूर्णिमा पर दिनांक 01 फरवरी 2026 को सम्पन्न करे, जो कि जनवरी की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 3 पर अंकित है।

द्विजप्रिय संकष्टी चतुर्थी पर अशुभता कुलाभ विनायक साधना

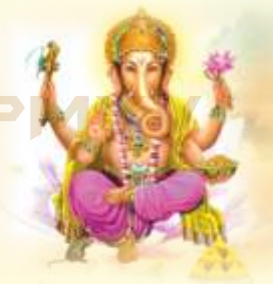

यदि जीवन में कुलाभों से ग्रसित हैं, उचित सुकर्म करने के पश्चात् भी समुचित लाभ की प्राप्ति ना हो पाना अथवा लाभ की अपेक्षा हानि की स्थितियां निर्मित हो जाना। ऐसे संकटपूर्ण स्थितियों के पूर्णरूपेण निवारण हेतु यह साधना वरदान स्वरूप है।

उक्त साधना द्विजप्रिय संकष्टी चतुर्थी पर दिनांक 07 फरवरी 2026 को सम्पन्न करे, जो कि जनवरी की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 03 अंकित है।

विजया एकादशी पर सर्व विजय श्री सम्पन्नता प्राप्ति विजया एकादशी प्रयोग

धन, वैभव, मान, प्रतिष्ठा, कार्य-व्यापार, शिक्षा आदि सभी क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने व जीवन के सभी कष्टों व बाधाओं के निवारण हेतु उक्त साधना सम्पन्न करना श्रेष्ठ होगा। यह सर्व विजय प्राप्ति की साधना है।

उक्त साधना विजया एकादशी पर दिनांक 13 फरवरी 2026 को सम्पन्न करे, जो कि जनवरी की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 03 पर अंकित है।

महाशिवरात्रि पर शिव त्र्यम्बक अनुष्ठान

जीवन में पापों से मुक्ति के साथ-साथ रक्षा, श्री, कीर्ति, कान्ति हेतु यह श्रेष्ठतम प्रयोग है। यह साधना सम्पन्न करने पर गृहस्थ जीवन में निरन्तर उमंग, आनन्द, जोश, बल, बुद्धि प्राप्ति होती है, तो वहीं कन्याओं को श्रेष्ठ वर व युवकों को मनोवांछित, अनुकूल कन्या की प्राप्ति होती है। धन, यश, लक्ष्मीमय स्थितियों में वृद्धि बनी रहती है।

उक्त साधना महाशिवरात्रि पर जो कि दिनांक 15 फरवरी 2026 को सम्पन्न करे, साधना प्रक्रिया जनवरी की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 22 से 24 पर अंकित है।

सर्व योग – भोग प्रदाता श्री शक्ति ललिता लक्ष्मी दीक्षा

प्रत्येक मनुष्य का जीवन **बहुआयामी** होता है। इस जीवन में ही विभिन्न प्रकार के **रंग, तरंग, उमंग** है तो कभी **हताशा-निराशा, परेशानी** भी है। जहाँ जीवन में **सुख** है तो **दुःख** भी है जीवन में **पीड़ा** है तो **आनन्द** भी है। ये सारी स्थितियाँ **मनुष्य** को **विचलित** भी करती है और ज्यादातर व्यक्ति अपने जीवन में अपनी **बाधाओं** का **समाधान** नहीं कर पाते, जिससे उन्हें **स्थितियों** में **अनुकूलता** प्राप्त नहीं होती है।

जो **दुर्बल** है उसका जीवन तो **व्यर्थ** है, जो अपने **सामर्थ्य** से **शक्ति आराधना** करता है उसका घर **धन-धान्य, पुत्र, स्त्री, लक्ष्मी** से कभी **रिक्त** नहीं हो सकता इसी प्रकार **शक्ति** तो सबल के घर **पराक्रम** रूप में, **विद्वानो** के **हृदय** में **बुद्धि रूप** में, **सज्जन लोगों** में **श्रद्धा के रूप** में निवास करती है, **शक्ति का साकार रूप** सब जगह, सब में है। इसकी **साधना-आराधना** से ही **जाग्रत** किया जा सकता है।

इन्ही स्थितियों से **जीवन** में **यश, प्रसिद्धि, उन्नति, कामना पूर्ति** की प्राप्ति सम्भव हो पाती है। यह **सौभाग्य, सुन्दरता, श्रेष्ठ गृहस्थ** जीवन प्रदान करने की **महाविद्या** है। **भगवती ललिता लक्ष्मी भोग, यश, सम्मान** की **अधिष्ठात्री देवी** है।

सर्व योग-भोग प्रदाता श्री शक्ति ललिता लक्ष्मी दीक्षा ग्रहण करने से ही जीवन में सभी **भौतिक** व **आध्यात्मिक सुख सुविधाओं** की प्राप्ति होती है। **गृहस्थ जीवन** को **सुचारू** रूप से **गतिशील** रखने के लिये नित्य **नूतन वस्तुओं** की आवश्यकता पड़ती है। यह सब केवल और केवल **भगवती ललिता चेतना** से ही **सम्भव** है। जिनमें **देवी** की **नव शक्तियां विभूति, नम्रता, कान्ति, तुष्टी, कृति, उन्नति, पुष्टी** तथा **ऋद्धि सिद्धि** से जीवन युक्त होता है। **ललिता चेतना** मस्तक पर पड़ी **दुर्भाग्य की लकीरों** को मिटा देने का **सर्वश्रेष्ठ उपाय** है, जिसे सम्पन्न कर **रंक** भी **राजा की उपाधि** प्राप्त कर सकता है।

सर्व योग-भोग प्रदाता श्री शक्ति ललिता लक्ष्मी दीक्षा न्यौछावर ₹ 1800/-